सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 168 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 25 जुलाई, 2026

मूल्य ₹ 3/-

हम सभी पर्वत के शिखर पर जीना चाहते हैं लेकिन सारी खुशियां तब घटित होती हैं जब हम पहाड़ चढ़ रहे होते हैं।

-ब्रह्माकुमारी शिवानी

एशियाई खेल 2026 का क्रिकेट का कार्यक्रम... 7 | पहाड़ी राज्य हिमाचल में सियासी... 3 | भाजपा के समर्थक उसके झंडे उतार... 2

कुर्सी गयी, सियासत बची

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

» सरकार का रणनीतिक दांव या छात्र आंदोलन की पहली बड़ी जीत?

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कई दिनों से जिस सवाल पर देश की राजनीति अटकी हुई थी उसका जवाब आखिरकार आज मिल गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह फैसला ऐसे समय आया जब छात्र आंदोलन, विपक्ष का दबाव और सीजेपी के नेतृत्व में चल रहा आंदोलन लगातार सरकार को घेर रहा था।

इस्तीफा उस निर्धारित दौर की बातचीत से पहले आया जिसमें सीजेपी प्रतिनिधिमंडल की केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात होनी थी। यह केवल एक मंत्री का इस्तीफा नहीं है बल्कि पिछले कयी सप्ताह से शिक्षा व्यवस्था परीक्षा प्रणाली और राजनीतिक जवाबदेही को लेकर चल रहे संघर्ष का निर्णायक मोड़ माना जा रहा है। हालांकि सरकार की ओर से इसे नैतिक जिम्मेदारी और आगे सुधारों का रास्ता बताया जा रहा है वहीं आंदोलनकारी इसे अपने संघर्ष की पहली बड़ी सफलता बता रहे हैं।

बड़ी जीत, बड़े मायने

सीजेपी का प्रर्दशन के बाद भी सरकार के कान पर जूं नहीं रेंग रही थी। तभी राहुल गांधी ने गेंद को बाउंड्री के बाहर फेंकते हुए पीएम आवास को घेर लिया। बस यही सियासत का टर्निंग प्वाइंट बना और राहुल गांधी स्टार बन गये छात्रों के बीच। बॉल बीजेपी के पाले में डालकर राहुल गांधी ने जीत का सीटी बजा दी। धमेन्द्र प्रधान का इस्तीफा तो उसी दिन तय हो गया था जब राहुल ने खुफिया एजेंसियों की आंखों मे धूल झोकते हुए पीएम आवास को घेर लिया था। इस पूरे एपिसोड के बाद पीएम मोदी ने खुद कमान संभाली और वीडियो संदेश के जरिये संवाद का रास्ता खोला। सरकार किसी भी कीमत पर धमेन्द्र प्रधान के इस्तीफे को राहुल के दबाव के तौर पर मैसेज नहीं देना चाहती थी। इसीलिए उनके इस्तीफे में टाइम लगा और सीजेपी से बातचीत के दरवाजे खोले। हालांकि सरकार के लिए एक तरफ कुआं और दूसरी तरफ खाई वाली स्थिति अभी भी बनी हुई है। परीक्षा में अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों के बाद देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। दिल्ली का जंतर-मंतर आंदोलन का प्रमुख केंद्र बना। आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों में शिक्षा मंत्री का इस्तीफा परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार प्रभावित छात्रों के लिए जवाबदेही और प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग शामिल थी। सरकार ने बातचीत का रास्ता चुना। केंद्रीय मंत्रियों और सीजेपी प्रतिनिधियों के बीच कई दौर की चर्चा हुई लेकिन सबसे बड़ा गतिरोध शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर ही बना रहा। सरकार पहले इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं दिख रही थी जबकि आंदोलनकारी इसे गैर समझौतावादी मांग बता रहे थे।

झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए : दीपके

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने छात्रों के भारी प्रदर्शन के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस पर कॉकरोच जनता पार्टी का पहला रिएक्शन सामने आया है। अभिजीत दीपके ने कहा कि झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए। इससे पहले सीजेपी ने साफ तौर पर कह दिया था कि नीट पेपर लीक से जुड़े विवाद के खिलाफ धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर कोई समझौता नहीं हो सकता है। इसके अलावा सीजेपी ने प्रदर्शनकारी छात्रों को बेरहमी से पीटे जाने पर उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। इसके अलावा नीट परीक्षा रद्द होने के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिए जाने की भी मांग की गई है।

> यह फैसला ऐसे समय आया जब छात्र आंदोलन, विपक्ष का दबाव और सीजेपी के नेतृत्व में चल रहा आंदोलन लगातार सरकार को घेर रहा था

इस्तीफे से पहले बदला पूरा राजनीतिक समीकरण

आज की प्रस्तावित वार्ता से पहले धर्मेंद्र प्रधान ने प्रधानमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप दिया। समाचार एजेंसियों और विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक उन्होंने अपने बयान में युवाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करने की बात कही और परीक्षा प्रणाली में सुधारों की दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। इस्तीफे के बाद वार्ता का पूरा स्वरूप बदल गया। अब चर्चा केवल मंत्री के पद पर नहीं बल्कि आगे के शिक्षा सुधारों परीक्षा प्रणाली और आंदोलन की अन्य मांगों पर होगी।

सोनम वांगचुक का टूटा दिल, बोले- अनशन पर सवाल उठाने वालों पर धिक्कार

अनशन खत्म करने के एलान के बाद से एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ट्रोलर्स के निशाने पर आ गये हैं और उन पर तरह तरह के मीम बन रहे हैं। अपने उपर बनते मीम से वह नाराज है और उन्होंने एक्स पर वीडियो शेयर कर अपनी बात रखी है। वांगचुक ने कहा है कि फिजिकली लड़कर झगड़कर हड़ताल के अंदर एक और हड़ताल करके जमीन पर लेटकर जो ताकत 20वें दिन मुझमें बची थी वह ताकत लगाकर मुझे बाहर निकलना पड़ा। दोस्तों यह वीडियो मैं थोड़ा दुख और हैरानी के साथ बना रहा हूं। अपने भाइयों बहनों और छात्रों के लिए 26 दिन भूखा रहने के बाद जिसमें कि मेरा 11 किलो शरीर खत्म हो गया है मसल्स चले गए हैं बॉडी के ऑर्गन्स और दिमाग लगभग डैमेज हो चुके हैं लद्दाख की कड़कड़ाती ठंड से निकलकर दिल्ली की तपती धरती पर अनशन करने के बाद क्या मुझे किसी से चरित्र प्रमाणपत्र लेना होगा कि मेरा अनशन कितना पवित्र था मैंने अनशन तोड़ा तो क्यों तोड़ा और किसके हाथों तोड़ा और किसके हाथों से नहीं तोड़ा। मुझे लगातार फोन आ रहे हैं कि अनशन तोड़ने के लिए मैंने कोई डील की है। अगर मुझे डील करनी होती तो 26 दिन भूखा रहने की क्या जरूरत थी?

पेपर लीक पर 10 साल जेल और 10 करोड़ जुर्माने वाले बिल को मंजूरी

पीएम मोदी की अध्यक्षता में संसद भवन परिसर में हुई कैबिनेट बैठक में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 24 में संशोधन को मंजूरी दी गई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नए प्रावधानों का मकसद उन गलत तौर-तरीकों के खिलाफ सख्त रोक लगाना है जिनकी वजह से बार-बार राष्ट्रीय परीक्षाओं में बाधा आई है और लाखों छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। मंजूर किए गए ड्राफ्ट के अनुसार, पेपर लीक में शामिल लोगों को कम से कम पांच साल की जेल और जुर्माना हो सकता है। पेपर लीक के संगठित मामलों में बिल में 10 साल तक की जेल और अधिकतम 10 करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रस्ताव है। यह मौजूदा कानून की तुलना में काफी ज्यादा है। वर्तमान कानून के तहत व्यक्तिगत अपराधियों के लिए तीन से पांच वर्ष तक की सजा, जबकि पेपर लीक और नकल से जुड़े संगठित अपराधों के मामलों में पांच से 10 वर्ष तक के कारावास तथा न्यूनतम एक करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान है।

भाजपा के समर्थक उसके झंडे उतार रहे हैं : अखिलेश यादव

» जंतर-मंतर प्रदर्शकारियों के बीच भाजपा भेज रही हैं अपने लोग

» बोले सपा प्रमुख- चंदा चोरी के कृत्यों से देश है शर्मिंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर राममंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर भाजपा को घेरा है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों के घरों, दुकानों व गाड़ियों से अब भाजपा के झंडे उतर गए हैं। वे भाजपा की अयोध्या में चढ़ावा-चंदा-दान चोरी जैसे कृत्यों से शर्मिंदा हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने लोगों को प्रदर्शनकारियों के बीच भेजकर युवाओं को गलत साबित करती है। लेकिन जब उन्हें भाजपाई कहा जाता है तो वे चिढ़ जाते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों के घरों, दुकानों व गाड़ियों से अब भाजपा के झंडे उतर गए हैं। वे भाजपा की अयोध्या में चढ़ावा-चंदा-दान चोरी जैसे कृत्यों से शर्मिंदा हैं। दिल्ली में बच्चियों पर प्रहार, मुंबई में आंदोलनकारियों को ड्रग्स के झूठे मामलों में फंसाने की धमकी भी शर्मिंदगी का कारण है।

लखनऊ अग्निकांड में मृतक बच्चे की मां के साथ मुख्यमंत्री का दुर्व्यवहार काली करतूत

लखनऊ अग्निकांड में मृतक बच्चे की मां के साथ मुख्यमंत्री का दुर्व्यवहार भी एक काली करतूत है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के सशुल्क और निशुल्क समर्थक अब किसी काम नहीं आ रहे हैं। वे जनाक्रोश देखकर ही घर से बाहर निकल रहे हैं, वह भी मजबूरी में। उनके व्हाट्सएप समूह भी ठंडे पड़े हैं। कट्टर समर्थक भी भाजपा की कारस्तानियों से समझ गए हैं कि वे खुद गलत थे।

भाजपा ने पिछले 10-12 वर्षों में लोकतंत्र खत्म किया

उन्होंने कहा कि भाजपा ने पिछले 10-12 वर्षों में लोकतंत्र खत्म किया है। सरकारी विभागों का भ्रष्टाचारीकरण किया, कमीशनखोरी से महंगाई बढ़ाई और शिक्षा-परीक्षा में धांधली की। खरबपतियों के लिए श्रमिक पैदा किए, बलात्कारियों को बचाया और अमेरिकी कांड में मंत्री को नहीं हटाया। उत्तराखंड या उत्तर प्रदेश की बेटियों के बलात्कारियों को बचाया गया।

विपक्ष पर अनर्गल आरोप लगाकर झूठे मुकदमे किए जा रहे

लखीमपुर खीरी के थारकांड में किसानों को मारने वाले के सबूत भी झुठलाए गए। अखिलेश यादव ने भाजपा पर पीडीए पर अत्याचार करने और आरक्षण मारने की साजिशें रचने का आरोप लगाया। उन्होंने संविधान मिटाने की हर संभव कोशिश की। विपक्ष पर अनर्गल आरोप लगाकर झूठे मुकदमे किए तथा बुलडोजर और मुठभेड़ का अमानवीय दुरुपयोग हुआ। शंकराचार्य पर भी निकृष्टतम आरोप लगाए गए, जिससे भाजपा का असली चेहरा समर्थकों के सामने आ गया है। इसीलिए भाजपा समर्थकों के लिए यह तथाकथित अमृतकाल अब अपमान के जहर भरे घूंट पीने का विषकाल बन गया है।

उपमुख्यमंत्री की टिप्पणी से बिहार में सियासी बवाल

» बिहार विधान परिषद में तीखी नोकझोंक पर राजद और भाजपा में तकरार

» उपमुख्यमंत्री विजेंद्र यादव ने सुनील सिंह से कहा- चोर बोले जोर से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधान परिषद के मानसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को सदन की कार्यवाही के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। इस दौरान उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधान परिषद सदस्य सुनील सिंह आमने-सामने आ गए। दोनों नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक और आरोप-प्रत्यारोप के चलते सदन का माहौल गरमा गया।

हंगामे के बीच उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव ने आगे कहा, चोट्टा कहीं का... गुंडागर्दी करता है। इस टिप्पणी के बाद सदन का माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया तथा दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक जारी रही। दोनों नेताओं के बीच हुई इस तीखी बहस और आरोप-प्रत्यारोप के कारण कुछ देर के लिए सदन की कार्यवाही प्रभावित रही। बाद में सभापति के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हुई और कार्यवाही आगे बढ़ाई गई।

आपके जैसे मैं फटीचर की तरह नहीं बोलूंगा : बिजेंद्र यादव

बहस के दौरान उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव ने सुनील सिंह को संबोधित करते हुए कहा, आपके जैसे मैं फटीचर की तरह नहीं बोलूंगा। बिस्कोमान का क्या हुआ? जब इतने काबिल और इतने तेज थे तो बिस्कोमान की क्या स्थिति हो गई। चोर बोले जोर से... चुप रहिए, चुप रहिए।

उपमुख्यमंत्री आप चुप रहिए : सुनील सिंह

उपमुख्यमंत्री की टिप्पणी पर राजद एमएलसी सुनील सिंह भी अपनी सीट से खड़े हो गए और जवाब देते हुए कहा, आप चुप रहिए। इसके बाद सदन में शोर-शराबा बढ़ गया और सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के सदस्य आमने-सामने आ गए।

बिहार बंद के दौरान तेज प्रताप यादव हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आज बिहार बंद है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए हंगामे के अगले दिन पटना में हुए भारी उपद्रव की कड़ी में वामपंथी छात्र संगठनों के बिहार बंद को पहले वामदलों ने, फिर पूरे महागठबंधन ने समर्थन दिया। तेज प्रताप भी साथ उतरे। प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए सड़क जाम कर रहे। पटना में तेज प्रताप यादव को इसी दौरान हिरासत में लिया गया।

सीतामढ़ी में बिहार बंद के दौरान छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। जिला प्रशासन की शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील के बावजूद छात्रों का आक्रोश मार्च शनिवार को अचानक हिंसक हो गया। उग्र भीड़ ने भाजपा के एक नेता की स्कॉर्पियो गाड़ी को निशाना बनाते हुए उसे पूरी तरह चकनाचूर कर दिया। शिवहर में भीम आर्मी भारत एकता मिशन से जुड़े बंद समर्थकों के प्रदर्शन से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। प्रदर्शनकारियों के जीरोमाइल चौक पहुंचते ही कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। सड़क पर प्रदर्शन और नारेबाजी के कारण यातायात भी कुछ समय के लिए प्रभावित रहा। प्रशासन की सक्रियता के कारण स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही और किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। यहां प्रदर्शनकारी डॉ. भीमराव आंबडेकर के साथ फूलन देवी की तस्वीरें लेकर भी प्रदर्शन कर रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी छात्रों से माफी मांगें : अजय राय

कांग्रेस ने दिल्ली में युवाओं, छात्रों, छात्राओं के साथ बर्बरता और अमानवीय कृत्य के खिलाफ निकाला कैंडिल मार्च

» कांग्रेस अध्यक्ष बोले- शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद ही रुकेगा प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली में लगभग एक माह से देश भर के हजारों छात्रों, छात्राओं और युवाओं द्वारा नीट परीक्षा पेपर लीक सहित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की जांच कराये जाने, शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर किये जा रहे शांतिपूर्ण धरने को जिस प्रकार मोदी सरकार ने संवाद और जायज मांगों को मानने के बजाय युवाओं, छात्र-छात्राओं पर बर्बर लाठीचार्ज, वाटर कैनन की बौछार और आंसू गैस के गोले, यहां तक पैलेट गन तक चलाये गये, जिसमें सैंकड़ों की संख्या छात्र-युवा गंभीर रूप से घायल हुए।

छात्र-छात्राओं एवं युवाओं के इस जायज मांग के समर्थन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस सांसदों ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना दिया किन्तु मोदी सरकार के इशारे पर जिस प्रकार पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार किया गया कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ पुलिसिया बर्बरता की गयी जिसमें राहुल गांधी की नाक से खून गिरा, जबरिया गिरफ्तारी की गयी उससे पूरे देश के कांग्रेसजनों में रोष व्याप्त है। इसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम के विरोध में उप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से गांधी प्रतिमा-जीपीओ हजरतगंज तक कैंडिल मार्च निकालने के लिए सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन आगे बढ़े जिन्हें भारी पुलिस बल द्वारा बैरीकेडिंग लगाकर जबर्दस्ती रोकने का प्रयास किया गया किन्तु सभी कांग्रेसजन मालएवेन्यू कांग्रेस मुख्यालय से निकलकर लोरेटो चैराहा होते हुए लाल बहादुर शास्त्री मार्ग तक पहुंच गये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने इस मौके पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी के शासन में 152 महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं, दुःखद तो यह है कि नीट पेपर लीक से 22 छात्रों ने अपनी जान गंवा दी है, लाखों परिवार इस पेपर लीक से आक्रोशित एवं अवसाद में हैं। पूरे देश में युवाओं और छात्रों में भारी गुस्सा है किन्तु प्रधानमंत्री इस सुनियोजित तरीके से हुए पेपर लीक के लिए जिम्मेदार धर्मेन्द्र प्रधान को हटाने के बजाए उनका संरक्षण कर रहे हैं।

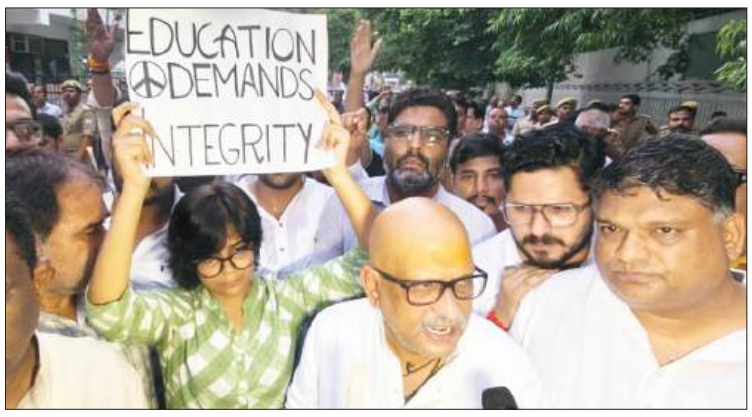

कांग्रेस पार्टी छात्रों और युवाओं की मांगों के साथ खड़ी

कांग्रेस पार्टी छात्रों और युवाओं की मांगों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि जब नोटबंदी हुई थी तब भी मोदी ने 50 दिन का समय मांगा था और कहा था कि अगर मेरी कोई गलती रह जाए तो जिस चैराहे पर बुलायेंगे हम आयेंगे हर सजा भुगतने के लिए तैयार हैं। किसान आंदोलन में भी 700से अधिक किसानों की मौत के बाद घड़ियाली आंसू बहाते हुए माफी मांगी थी। मोदी ने अपने कार्यकाल में झूठ बोलने के अलावा कुछ नहीं किया। राहुल गांधी के पदचिन्हों पर चलते हुए हम छात्रों और युवाओं की आवाज को दबने नहीं देंगे। धर्मेन्द्र प्रधान शिक्षा में भ्रष्टाचार के प्रतीक बन चुके हैं, ऐसे में जब तक धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो जाता तब तक उप्र कांग्रेस के लोग सड़क पर संघर्ष करते रहेंगे।

नीट पेपर लीक की जांच की आंड़ में मामले को दबाने के लिए लीपापोती कर रहे हैं। जिसके विरोध में अपनी मांगों को लेकर हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं और युवा दिल्ली में जिस प्रकार अपनी जान पर खेलकर धरना दे रहे हैं मोदी सरकार उनकी मांगों को मानने के बजाए उन पर दमनात्मक कार्यवाही कर रही है जिसे कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी।

सपा सांसदों का 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल पहुंचा रामपुर

» जौहर यूनिवर्सिटी के लिए आंदोलनरत छात्रों को देंगे समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर । जौहर यूनिवर्सिटी के 40 में से 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के खिलाफ सपा खुलकर मैदान में आ गई है। शनिवार को सपा के सांसद और पूर्व सांसदों का 12 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल रामपुर पहुंचा। पहले सांसद आंदोलनरत छात्रों से मुलाकात करेंगे और फिर डीएम को ज्ञापन दिया जाएगा।

बृहस्पतिवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में विधायक और पूर्व विधायकों का एक दल रामपुर गया था। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की ओर से जारी पत्र के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर गठित प्रतिनिधिमंडल शनिवार को जिला प्रशासन से मुलाकात कर यूनिवर्सिटी के संबंध में वार्ता करेगा। उनकी ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि जौहर यूनिवर्सिटी के भवनों पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई शिक्षा के अधिकार और संविधान की भावना के विपरीत है। पार्टी का मानना है कि विश्वविद्यालय में गरीब, पिछड़े और दलित वर्ग सहित विभिन्न समुदायों के हजारों छात्र-छात्राएं नाममात्र की फीस पर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे में ध्वस्तीकरण से विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रतिनिधिमंडल डीएम से मुलाकात कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं किए जाने के संबंध में वार्ता करेगा तथा पूरे मामले की रिपोर्ट समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय को सौंपेगा।

अजय सागर, सपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि सपा से जुड़े सांसदों का प्रतिनिधि मंडल शनिवार को रामपुर पहुंच रहा है। वह यहां यूनिवर्सिटी के छात्रों से मुलाकात करेगा और फिर डीएम को ज्ञापन सौपेगा। प्रशासन से इसकी अनुमति मिल गई है।

प्रतिनिधिमंडल में यह रहेंगे शामिल

रामपुर सपा जिलाध्यक्ष अजय सागर, सांसद जावेद अली खान, महाराष्ट्र के सपा प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक (पूर्व सांसद) अबू आसिम आजमी, सांसद हरेंद्र सिंह मलिक, सांसद रुचिवीरा, सांसद इकरा हसन, सांसद राजीव राय, सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी, सांसद नीरज मौर्य, सांसद जियाउर्रहमान बर्क, सांसद देवेश शाक्य तथा सांसद राम शिरोमणि वर्मा शामिल रहेंगे।

पहाड़ी राज्य हिमाचल में सियासी हलचल

आपदा राशि को लेकर सीएम ने केंद्र को घेरा

» भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार

» पूर्व सीएम बोले- कांग्रेस के पास राजनीति करने के अलावा कुछ नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। पहाड़ी राज्य हिमाचल में सियासी पार-पलटवार को दौर शुरू हो गया। हालांकि अभी वहां विस चुनाव में समय है। लेकिन इन सबके बीच भाजपा व कांग्रेस में तीखे बयानों के तीर एक-दूसरे पर चल रहे हैं। राज्य के सीएम सुक्खू व नेता प्रतिपक्ष में तू-तू मै-मै जारी है। इसबीच दिल्ली में सीजेपी व छात्रों के प्रदर्शन को लेकर भी दोनो पार्टियों में तकरार हो रही है।

वहीं सीएम सुक्खू ने भाजपा सांसद से पीएम के घोषित 15000 करोड़ को लेकर सवाल दागा है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश के हितों की रक्षा के लिए भाजपा के चारों सांसदों ने इस राशि को दिलाने व हिमाचल के हितों की केंद्र सरकार के समक्ष कितनी बार आवाज उठाई। वहीं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार ने मामले में तत्काल और सख्त कार्रवाई की, जबकि हिमाचल प्रदेश में सुक्खू सरकार ने पेपर लीक मामलों के दोषियों को बचाने और पुरस्कृत करने का काम किया।

केंद्र सरकार ने राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) और जीएसटी क्षतिपूर्ति बंद कर प्रदेश के साथ किया अन्याय

राजीव भवन में कांग्रेस सेवादल की बैठक में मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि भाजपा के चारों सांसदों ने कभी हिमाचल प्रदेश के हितों की आवाज नहीं उठाई। केंद्र सरकार ने राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) और जीएसटी क्षतिपूर्ति बंद कर प्रदेश के साथ अन्याय किया, लेकिन भाजपा सांसदों ने इसका विरोध तक नहीं किया। सुक्खू ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार प्रदेश पर भारी कर्ज और देनदारियां छोड़कर गई। आज सरकार को कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए भी कर्ज लेना पड़ रहा है। सांसद आपदा के लिए भी प्रदेश को राहत नहीं दिला सके। उन्होंने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। भाजपा सरकार के समय कुछ मामलों में तो पुरुषों की बच्चेदानी के ऑपरेशन तक दर्शा दिए गए। पर किसी दोषी को नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि पांच मेडिकल कॉलेजों में करीब 150 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक ऑटोमेशन टेस्ट मशीनें लगाई जाएंगी। उन्होंने दावा किया कि पड़ोसी राज्यों के सरकारी अस्पतालों में भी वह सुविधा उपलब्ध नहीं है, जो हिमाचल में रोबोटिक सर्जरी के रूप में दी गई है।

भाजपा के सांसदों से जनता पूछे प्राकृतिक आपदा की राहत राशि कहां गई : सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि भाजपा के सांसदों से जनता को यह भी पूछना चाहिए कि प्राकृतिक आपदा के बाद प्रधानमंत्री की ओर से हिमाचल के लिए घोषित 1,500 करोड़ रुपये की सहायता राशि आखिर कहां है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हितों की रक्षा के लिए भाजपा के चारों सांसदों ने इस राशि को दिलाने व हिमाचल के हितों की केंद्र सरकार के समक्ष कितनी बार आवाज उठाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के पास ईडी, सीबीआई सहित सभी जांच एजेंसियां हैं और वह जिस भी एजेंसी का इस्तेमाल करना चाहे, कर सकती हैं, लेकिन वर्तमान सरकार में कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है जिसके लिए भाजपा भी यह नहीं कह सकती कि वर्तमान सरकार में किसी ने भ्रष्टाचार किया है।सीएम सुक्खू ने कहा कि प्रदेश की जनता को भाजपा के चारों सांसदों और विधायकों से पूछना चाहिए कि हिमाचल पर संकट आने पर वे प्रदेश के हितों की पैरवी के लिए कितनी बार प्रधानमंत्री के पास गए। आखिर जनता उन्हें वोट क्यों दे।

सुक्खू सरकार ने पेपर लीक मामलों में सीबीआई की संस्तुतियों को नजरअंदाज किया

जयराम ने आरोप लगाया कि इसके विपरीत हिमाचल प्रदेश में सुक्खू सरकार ने पेपर लीक मामलों में सीबीआई की संस्तुतियों को नजरअंदाज किया। जिन अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठे, उनके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन्हें महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया। जांच रिपोर्ट को भी दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने हालिया पुलिस भर्ती परीक्षा का उल्लेख करते हुए कहा कि पेपर लीक के साक्ष्य सामने आए, मनी ट्रेल तक पकड़ी गई, लेकिन सरकार ने मामले को दबाने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि मास चीटिंग के आरोप लगे और प्रभावित छात्रों ने पूरी घटना का विवरण सार्वजनिक रूप से बताया, लेकिन सरकार ने उनकी बात सुनने की जरूरत नहीं समझी। नेता विपक्ष ने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा कि यदि कांग्रेस वास्तव में युवाओं के हितों की चिंता करती है तो उसे पहले हिमाचल के मुख्यमंत्री से जवाब मांगना चाहिए कि पेपर लीक मामलों में दोषियों को बचाने का प्रयास क्यों किया गया। उन्होंने कहा कि जो सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को संरक्षण देती है, उसे नैतिकता की बात करने का कोई अधिकार नहीं है।

राजनीति कर रही कांग्रेस : जयराम ठाकुर

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने नीट परीक्षा में अनियमितताओं के मुद्दे पर कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने मामले में तत्काल और सख्त कार्रवाई की, जबकि हिमाचल प्रदेश में सुक्खू सरकार ने पेपर लीक मामलों के दोषियों को बचाने और पुरस्कृत करने का काम किया। जयराम ठाकुर ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि नीट परीक्षा में अनियमितताओं की शिकायत सामने आते ही केंद्र सरकार ने जांच सीबीआई को सौंप दी। दोषियों की गिरफ्तारी हुई, पुनर्परीक्षा कराई गई और अब पुनर्परीक्षा का परिणाम भी घोषित हो चुका है। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल लोगों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई जारी है और केंद्र सरकार भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त प्रावधान भी कर रही है।

भाजपा ने प्रदेश के लाखों युवाओं के साथ धोखा किया

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि भाजपा ने प्रदेश के लाखों युवाओं के साथ धोखा किया। पेपर लीक मामलों ने युवाओं का भरोसा तोड़ा और भाजपा सरकार ने उनकी भावनाओं की अनदेखी की। नीट छात्र आंदोलन के दौरान छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जब छात्रों के समर्थन में खड़े हुए तो उन्हें भी वहां से उठा दिया गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में इस तरह की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार सेवादल को भी यह महसूस हुआ होगा कि वर्तमान सरकार ने संगठन का सम्मान किया है। कांग्रेस सरकार ने सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष को भी बोर्ड का अध्यक्ष बनाकर संगठन के कार्यकर्ताओं को सम्मान देने का काम किया है।

भाजपा-एसएफआई के कार्यकर्ताओं में धक्कामुक्की और हाथापाई

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के उपायुक्त कार्यालय के बाहर उस समय माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब भाजपा और एसएफआई के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। इस दौरान दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी और इसके बाद धक्कामुक्की और हाथापाई शुरू हो गई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने फौरन बैरिकेडिंग की और सुरक्षा घेरा बनाकर किसी तरह से मामला शांत करवाया। पुलिस के आलाधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर भाजपा के नेताओं और एसएफआई के कार्यकर्ताओं से बातचीत कर उन्हें समझाकर स्थिति को संभाला। दोनों ही पार्टियों ने एक-दूसरे को उकसाने और हमला करने के आरोप लगाए हैं। बुधवार को भाजपा ने प्रधानमंत्री आवास के समीप कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं के किए विरोध प्रदर्शन के विरोध में धरना प्रदर्शन आयोजित किया। दोपहर ढाई बजे के समीप भाजपा के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपायुक्त कार्यालय के बाहर एकत्रित हुए और प्रदर्शन शुरू किया। 3:30 बजे के करीब उस समय माहौल तनावपूर्ण हो गया जब दोनों ओर से कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया और दोनों और हाथापाई और धक्कामुक्की शुरू की। इस दौरान दोनों ओर से कार्यकर्ताओं के बीच कहासुनी भी हुई। इस दौरान कुछ युवाओं ने झंडों के लिए इस्तेमाल होने वाले डंडों को भी निकाल लिया था। पुलिस ने स्थिति को बिगड़ता देखकर फौरन मोर्चा संभाला और बैरिकेडिंग करके सुरक्षा घेरा बनाकर दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं को अलग-अलग किया। एएसपी अमित ठाकुर और डीएसपी शक्ति सिंह ने दोनों पार्टियों के नेताओं से बातचीत कर उन्हें समझाकर मामला शांत करवाया। इसके बाद बीजेपी के कार्यकर्ता और नेता प्रदर्शन खत्म करने के बाद लौट गए और एसएफआई कार्यकर्ता भी शांत हो गए। किसी भी स्थिति को देखते हुए पुलिस बल घटनास्थल पर तैनात है। भाजपा नेताओं का कहना है कि एसएफआई के कार्यकर्ता उनके प्रदर्शन में घुस गए और नारेबाजी शुरू कर दी। इससे ही माहौल तनावपूर्ण हो गया है। वहीं आधे घंटे तक चले इस दोनों पार्टियों के बीच हुई इस धक्कामुक्की के कारण मालरोड और लोअर बाजार आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मार्ग अवरुद्ध होने के कारण लोग काफी देर तक सीटीओ चौक से आवाजाही नहीं कर सके। बुधवार शाम तक इस पूरे प्रकरण को लेकर किसी भी तरफ से पुलिस स्टेशन में शिकायत नहीं दी गई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

न्यायिक प्रणाली में तकनीकी हस्तक्षेप पर निगरानी तंत्र जरूरी

आज न्यायिक प्रणाली में तकनीकी हस्तक्षेप अब कोई दूर की कल्पना नहीं रह गया है। दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और बड़े एआइ भाषा मॉडल (एलएलएम) का उपयोग न्यायालयीन प्रक्रियाओं को सुगम बनाने के लिए किया जा रहा है।

भारत में हर वस्तु डिजिटल होती जा रही है। इससे न्यायालय भी अछूते नहीं है। अब तो सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई ऑनलाइन देखी जा सकती है। आजकल एआई के इस्तेमाल पर भी चर्चा हो रही है हालांकि उसके कु छ नुकसान भी हैं। इसलिए उस पर सजग होने की जरूरत है। आज न्यायिक प्रणाली में तकनीकी हस्तक्षेप अब कोई दूर की कल्पना नहीं रह गया है। दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और बड़े एआइ भाषा मॉडल (एलएलएम) का उपयोग न्यायालयीन प्रक्रियाओं को सुगम बनाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि, जहां यह तकनीक न्यायिक प्रशासन एवं प्रबंधन में क्रांति लाने की क्षमता रखती है, वहीं इसके साथ जुड़ी चुनौतियों और प्रतिकूलताएं भी उतनी ही गंभीर हैं, जिन पर हमें गहन चिंतन करने की आवश्यकता है। भारत और अन्य देशों में एआइ का उपयोग मुख्यत: ई-गवर्नेंस, ई प्रशासन, ई न्यायिक प्रबंधन एवं प्रशासनिक सहायता के रूप में किया जा रहा है।

इसमें मुख्यत: न्यायिक फैसलों की सर्च, न्यायिक उदाहरण एवं दलीलों व कानूनी दस्तावेजों का सारांश तैयार करना शामिल हैं। कुछ प्रयोगों में, एलएलएम का उपयोग जटिल कानूनी भाषा को सरल बनाने या पिछले न्यायिक निर्णयों के आधार पर संभावित परिणामों का पूर्वानुमान लगाने के लिए किया जाता है। हालांकि, यह स्पष्ट करना महत्त्वपूर्ण है कि अधिकांश न्यायिक प्रणालियों में, विशेष रूप से भारत में, संवैधानिक व्याख्या एवं कानूनी निर्णय की अंतिम शक्ति न्यायाधीशों के पास ही रहती है। अभी हाल में भारत के सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय इसलिए महत्त्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि इस निर्णय में न्यायिक दलीलों एवं उदाहरण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अत्यधिक उपयोग के ऊपर प्रश्नवाचक चिह्न लगाया गया है। मानवीय न्यायिक निर्णय में न्यायाधीशों या वकीलों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उदाहरण उनकी व्याख्या मैं अगर कुछ गलत हुआ तो उसकी जिम्मेदारी कोई भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सिस्टम नहीं ले सकता और न उसे दंडित किया जा सकता है। यहां पर यह स्पष्ट होना चाहिए कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं एलएलएम के सिस्टम जैसे चैटजीपीटी एवं जैमिनाई के एल्गोरिथम कैसे काम करते हैं? यह जनरल पब्लिक की जानकारी से परे है। जनता में इसे पक्ष में मित्रवत होने के लिए तैयार करना हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संकटग्रस्त क्षेत्रों के जोखिम में भारतीय नाविक

पुष्परंजन

इस साल संघर्ष वाले इलाकों में कमर्शियल जहाजों पर काम करते हुए 15 से ज्यादा भारतीय नाविकों की मौत हो चुकी है। जुलाई, 2026 तक हुई ये मौतें अमेरिका-ईरान संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान हुईं, जिस पर भारत सरकार ने कड़ा विरोध जताया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि रूसी चार्ज द अफेयर्स व्लादिमीर लादानोव को तलब किया गया और मंत्रालय ने उन्हें '19 जुलाई 2026 को कमर्शियल जहाज एमवी गोल्डन लियो पर हुए हमले को लेकर भारत की गंभीर चिंताओं से कड़ी निंदा के साथ अवगत कराया, जिसमें चार भारतीयों की दुखद मौत हो गई थी।' क्रेमलिन का कहना है कि चार नाविकों की मौत पर भारत के विरोध के बावजूद, यूक्रेन के लिए हथियार ले जाने वाले जहाज उसके निशाने पर बने रहेंगे। यह अपने आप में विचित्र है कि जो क्रेमलिन इस तरह के बयान दे रहा है, वह भूल जाता है कि रूस की तरफ से लड़ने वाले भारतीय भी बड़ी संख्या में मरे हैं।

भारत सरकार ने पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि रूसी सेना में सेवा के दौरान 49 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है। छह भारतीय नागरिक लापता हैं। 20 से 24 जुलाई, 2026 को मनीला में आहूत आसियान बैठक में इस तल्खी को कम करने के वास्ते विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। ब्लैक सी में हुए मिसाइल हमले में चार भारतीय नाविकों की मौत के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली उच्चस्तरीय बैठक थी। बातचीत में भारतीय नाविकों की सुरक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समेत क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। इसे मानना पड़ेगा कि भारतीय नाविकों पर खतरा ज्यादा है, क्योंकि भारत दुनिया में समुद्री कर्मचारियों (सीफेयरर्स का तीसरा सबसे बड़ा सप्लायर है। समुद्री कर्मचारियों की आपूर्ति में फिलीपींस दुनिया में सबसे आगे है, जो पांच लाख से ज्यादा क्रू सदस्यों की आपूर्ति करता है।

चीन और भारत क्रमश: दूसरे-तीसरे नंबर पर हैं। दुनिया भर में तीन लाख से ज्यादा भारतीय नाविक काम करते हैं। वे अक्सर ऐसे कमर्शियल जहाजों पर काम करते हैं, जिन पर दूसरे देशों का झंडा लगा होता है और जो लड़ाई-झगड़े वाले इलाकों

(कॉनिफ्लक्ट जोन से गुजरते हैं। इस वजह से ये नाविक अक्सर अंतरराष्ट्रीय सैन्य हमलों में अनजाने में मारे जाते हैं या घायल हो जाते हैं।

काला सागर की घटना हाल की है, जब यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से निकलते समय कार्गो जहाज एमवी गोल्डन लियो पर रूसी क्रूज मिसाइल हमले में चार भारतीय नाविकों की मौत हो गई। इससे पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में जब कमर्शियल तेल टैंकरों पर हमला हुआ, कई भारतीय नाविकों की जान चली गई। क्योंकि भारतीय नाविक ग्लोबल मर्चेंट नेवी का एक बड़ा हिस्सा हैं, इसलिए जब-तब लड़ाई की चपेट में आते हैं। ज्यादातर भारतीय नाविक अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए काम करते हैं। वे विदेशी रजिस्ट्रेशन वाले जहाजों पर काम करते हैं, चुनांचे नुकसान पहुंचने पर राजनयिक प्रतिक्रिया देना भारत के लिए मुश्किल हो जाता है। भले ही भारत के समुद्री रेगुलेटर ने कंपनियों को होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे रास्तों पर भारतीय नागरिकों को तैनात न करने की सलाह दी है, फिर भी कई जहाज मुनाफे के लिए यह जोखिम भरा सफर करते हैं। यह दीगर है कि दुनिया के अहम व्यापारिक मार्ग इन खतरनाक समुद्री इलाकों से गुजरते हैं। विदेशी झंडे वाले जहाजों पर काम करते हुए मरने वाले भारतीय नागरिकों के परिवारों को शव को वापस लाने, जांच और मुआवजे की प्रक्रिया शुरू करना आसान नहीं होता। इसके लिए विदेश मंत्रालय या निकटतम भारतीय दूतावास/वाणिज्य दूतावास से संपर्क ही शुरुआती रास्ता है। विदेशों में स्थित भारतीय मिशन मृत्यु की पुष्टि करते हैं, जरूरी यात्रा, पारगमन दस्तावेज जारी करते हैं और शव या अस्थियों को वापस लाने की प्रक्रिया की देखरेख करते हैं। शिपिंग कंपनियों के लिए यह कानूनी रूप से जरूरी है कि वे काम से जुड़ी चोट, बीमारी या खतरे के कारण मृत्यु या दीर्घकालिक विकलांगता के लिए मुआवजे को कवर करने वाला वैध बीमा रखें।

लेकिन जो अवैध जहाज है, वहां काम करने वाले भारतीयों का क्या होता होगा? अवैध या ब्लैकलिस्टेड जहाजों (शैडो फ्लीट) में काम करने वाले भारतीयों को अमानवीय परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें अक्सर बिना वेतन के महीनों तक समुद्र में छोड़ दिया जाता है और खतरनाक संघर्ष क्षेत्रों में हमलों का भारी जोखिम रहता है। वे यदि हमलों में मारे जाते हैं, उनका कोई माई-बाप नहीं होता। जून, 2026 की शुरुआत में ओमान की खाड़ी में अमेरिकी हवाई हमले में टैंकर सेटेबेलो के इंजन रूम को निशाना बनाए जाने से तीन भारतीय मर्चेंट नाविक मारे गए।

मुकाबलों की संख्या कम होने से घटा उत्साह

हरजीत सिंह

ओलंपिक की तर्ज पर आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की शुरुआत स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर में से हो रही है। कुल 70 से अधिक देशों की भागीदारी वाले इस आयोजन को ओलंपिक के बाद दूसरा बड़ा खेल-मेला माना जाता है। ब्रिटिश सल्तनत के अंतर्गत आने वाले देशों के बीच खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए 1930 में इनकी शुरुआत हुई थी। तब इन्हें ब्रिटिश एम्पायर गेम्स के नाम से जाना जाता था। भारत ने अपनी पहली उपस्थिति 1934 में दर्ज की थी। 23 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत चार बार— 1930, 1950, 1962 और 1986— को छोड़कर सभी खेलों में भाग लेता रहा है। वर्ष 1934 में अपनी शुरुआत के बाद से भारत ने अब तक 564 पदक जीते हैं, जिनमें 203 स्वर्ण, 190 रजत और 171 कांस्य शामिल हैं। पदक तालिका में शामिल देशों की सूची में भारत चौथे स्थान पर है।

पहलवान राशिद अनवर 1934 के ब्रिटिश एम्पायर गेम्स में पुरुषों की 74 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। पिस्टल निशानेबाज जसपाल राणा राष्ट्रमंडल खेलों में सबसे सफल भारतीय एथलीट रहे, जिन्होंने 1994 से 2006 तक के चार खेलों में नौ स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य सहित 15 पदक जीते। भारत ने 2010 में पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन दिल्ली में किया था। इस आयोजन में भारत ने दूसरे स्थान के साथ 101 पदक जीते थे, जो कि भारत का इन खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। उसके बाद के तीन राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा है, जहां भारत पांचवें, तीसरे और चौथे स्थान पर रहा। लेकिन 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय दल में कुछ उदासीनता है। वजह बड़ी गंभीर भी है। इस बार भारतीय दल की संख्या मात्र 126 है, जो कि पिछले दो मुकाबलों— 2018 में 221 और 2022 में 215— से काफी कम है। भारतीय दल की संख्या कम होने की वजह इस बार के खेलों में कम स्पर्धाओं का होना माना जा सकता है। इस बार मुख्य खेलों में सिर्फ़ दस को शामिल किया गया है, जिसमें भारत की भागीदारी मुख्यत: एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में होगी। भारत ने अब तक राष्ट्रमंडल खेलों में शूटिंग में 63 स्वर्ण के साथ कुल 135 पदक जीते हैं, जो इस बार राष्ट्रमंडल खेलों से नदारद है।

2022 खेलों में भारत ने कुश्ती, बैडमिंटन और टेबल टेनिस में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन ये खेल भी इस बार शामिल नहीं हैं। इसके अलावा भारोत्तोलन भी भारत के लिए एक सिरदर्द है, जहां 16 खिलाड़ियों के कोटा होने के बावजूद सिर्फ 12 ही जा पा रहे हैं। वजह कई खिलाड़ियों का डोपिंग में लिप्त होना है। इस बार खेलों में कमी की एक बड़ी वजह ग्लासगो को इसकी मेजबानी का देर से मिलना था। 23वें राष्ट्रमंडल खेल पहले ऑस्ट्रेलियाई राज्य विक्टोरिया को दिए गए थे, पर 2023 में विक्टोरियन राज्य सरकार ने बढ़ती लागत के अनुमानों के कारण अपनी योजनाओं को रद्द कर दिया।

17 सितंबर, 2024 को स्कॉटिश सरकार ने ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए ऑस्ट्रेलिया की वित्तीय सहायता के साथ सहमति बनाई। कम समय की वजह से ग्लासगो 2026 खेलों में लागत को नियंत्रित करने के लिए केवल 10 खेलों के साथ एक कॉम्पैक्ट प्रारूप तैयार हुआ, जिसमें एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, तैराकी और पैरा तैराकी, कलात्मक जिमनास्टिक, ट्रैक साइकिलिंग और पैरा ट्रैक साइकिलिंग, नेटबॉल, भारोत्तोलन और पैरा पावरलिफ्टिंग, मुक्केबाजी, जूडो, लॉन बाउल्स और पैरा लॉन बाउल्स, बास्केटबॉल और व्हीलचेयर बास्केटबॉल शामिल हैं। इसमें कुश्ती, हॉकी, बैडमिंटन और निशानेबाजी जैसे भारत के कुछ पारंपरिक वर्चस्व वाले खेल शामिल नहीं हैं। इसके बावजूद, भारत हाल की सफलताओं के आधार पर एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन जैसे क्षेत्रों में मजबूती से प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार है। भारत की नजर इस बार एथलेटिक्स पर रहेगी। 28 वर्षीय जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 32 खिलाड़ियों (जिसमें 10 महिलाएं हैं) की टीम का नेतृत्व करेंगे। वर्ष 2018 के स्वर्ण पदक विजेता नीरज ने 2022 खेलों में कमर की चोट की वजह से भाग नहीं लिया था। उनके अलावा ट्रिपल जम्पर सेल्वा प्रभु, 5000 मीटर की धाविका पारुल चौधरी, लॉन्ग डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह, शॉटपुटर मनप्रीत कौर और तेजिंदरपाल सिंह तूर तथा लॉन्ग जम्पर लोकेश सत्यनाथन से उम्मीद की जा सकती है।

दो बार राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन मीराबाई चानू भारोत्तोलन टीम का मार्गदर्शन करेंगी। उनका साथ देने के लिए 58 किलोग्राम श्रेणी में बिंदियारानी देवी और 69 किलोग्राम में हरजिंदर कौर हैं। पुरुष वर्ग में ऋषि सिंह, एम. राजा, अजय बाबू, दिलबाग सिंह और लवप्रीत सिंह अपना दमखम दिखाएंगे। भारतीय बॉक्सिंग का भार भी ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन पर रहेगा। कुल मिलाकर 12 मुक्केबाज ग्लासगो जा रहे हैं। भारत ने ग्लासगो 2026 के लिए छह सदस्यीय लॉन बाउल्स टीम का भी चयन किया है। रूपा रानी तिर्की और नयनमोनी सैकिया लॉन बाउल्स में भारत के लिए पहला राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं। ग्लासगो में बेशक सभी भारतीय खिलाड़ी अपने खेल-कौशल का प्रदर्शन न कर पाएं, पर 2030 में अहमदाबाद को शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों के मेजबान के रूप में अनुमोदित करने के बाद भारत को हॉकी और कुश्ती जैसे नजरअंदाज किए गए खेलों को फिर से शुरू करने का मौका रहेगा।

माता-पिता के योगदान को सम्मान देने और उनके प्रति आभार व्यक्त करने का एक सुंदर अवसर है

अभिभावक दिवस

माता-पिता हमारे जीवन की वह मजबूत नींव हैं, जिनके प्यार, त्याग और मार्गदर्शन से हम आगे बढ़ना सीखते हैं। उनकी देखभाल और समर्पण का ऋण पूरी तरह चुकाना संभव नहीं, लेकिन उन्हें सम्मान और धन्यवाद देने के लिए कुछ खास पल जरूर बनाए जा सकते हैं। राष्ट्रीय अभिभावक दिवस 2026 हर साल जुलाई के चौथे रविवार को मनाया जाता है, जो इस वर्ष 26 जुलाई 2026 को पड़ रहा है। यह दिन माता-पिता के योगदान को सम्मान देने और उनके प्रति आभार व्यक्त करने का एक सुंदर अवसर है। जरूरी नहीं कि इस मौके पर महंगे उपहार ही दिए जाएं। कई बार आपका थोड़ा-सा समय, दिल से कही गई कुछ बातें और साथ बिताए गए यादगार पल ही उनके लिए सबसे बड़ा तोहफा बन जाते हैं। यदि आप भी इस बार राष्ट्रीय अभिभावक दिवस को खास बनाना चाहते हैं, तो कुछ छोटे लेकिन दिल को छू लेने वाले प्रयास इस दिन को हमेशा के लिए यादगार बना सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे आसान और खूबसूरत तरीके, जिनसे आप अपने माता-पिता के चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं।

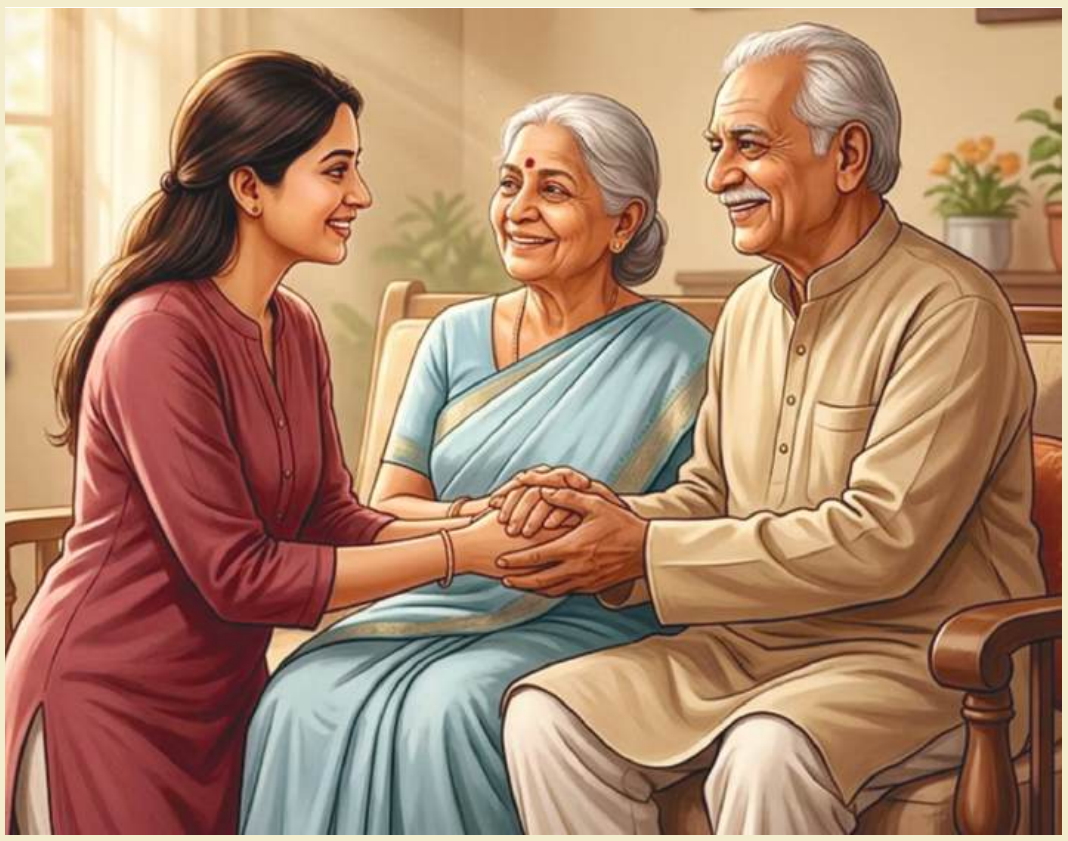

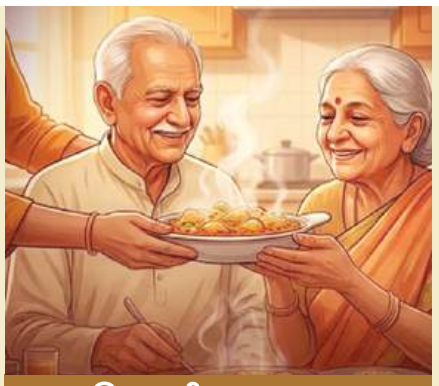

माता-पिता की पसंद का खाना बनाएं या बाहर लेकर जाएं

अगर आपके माता-पिता को घर का खाना पसंद है, तो उनकी पसंदीदा डिश अपने हाथों से बनाकर उन्हें सरप्राइज दें। यदि वे बाहर खाना पसंद करते हैं, तो उन्हें उनके पसंदीदा रेस्तरां में लेकर जाएं। परिवार के साथ शांत माहौल में बिताया गया यह समय रिश्तों को और मजबूत बना सकता है।

एक दिल से लिखा हुआ पत्र या वीडियो संदेश दें

मोबाइल संदेशों के दौर में हाथ से लिखा एक छोटा-सा पत्र या परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर बनाया गया वीडियो संदेश उन्हें भावुक और खुश कर सकता है। इसमें उनके प्रति अपना आभार, बचपन की यादें और उनसे सीखी गई बातों का जिक्र करें। ऐसे भावनात्मक उपहार अक्सर लंबे समय तक याद रहते हैं।

पूरा दिन उनके साथ बिताएं

आज की व्यस्त जिंदगी में सबसे कीमती चीज समय है। राष्ट्रीय अभिभावक दिवस पर कोशिश करें कि अपना अधिक से अधिक समय माता-पिता के साथ बिताएं। साथ बैठकर बातें करें, पुरानी तस्वीरें देखें, उनकी पसंदीदा फिल्म देखें या शाम की सैर पर जाएं। यह साथ उनके लिए किसी भी महंगे उपहार से ज्यादा मायने रख सकता है।

नकी सेहत और खुशियों का भी रखें ध्यान

इस खास दिन पर उनके लिए हेल्थ चेकअप की योजना बनाना। साथ में योग या मॉर्निंग वॉक शुरू करना। या उनकी किसी अधूरी इच्छा को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाना भी एक सार्थक पहल हो सकती है। नियमित रूप से उनका हालचाल पूछना और भावनात्मक रूप से साथ देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

उनकी पसंद का छोटा-सा सरप्राइज प्लान करें

जरूरी नहीं कि सरप्राइज महंगा हो। उनकी पसंद की किताब, पौधा, फोटो फ्रेम, परिवार की यादों का एल्बम या उनके किसी पुराने शौक से जुड़ा छोटा-सा उपहार भी उन्हें खास महसूस करा सकता है। उपहार चुनते समय उनकी पसंद और जरूरत का ध्यान रखें।

हंसना मना है

एक बुजुर्ग व्यक्ति हर साल अपनी पत्नी से शादी करता था। पंडित जी बोले: ऐसा क्यों करते हैं? बुजुर्ग बोला: बस एक ही शब्द सुनने की खातिर, पंडित जी: कौन सा शब्द? बुजुर्ग: वही, जब आप कहते हैं कि लड़के को बुलाओ पंडित जी बेहोश...

एक औरत अपने पति से मिलने जेल गई। वहां से बाहर आने पर उसने जेलर से कहा- तुम लोग मेरे पति से इतना काम क्यों करवाते हो? जेलर: कौन सा काम मैडम? वो तो सिर्फ खाता है, पीता है और सोता है। औरत: तो क्या मेरे पति झूठ बोल रहे हैं कि वो सुरंग खोद रहे हैं......

पति-पत्नी के बीच हुई जबरदस्त लड़ाई पति: चुप हो जाओ,पत्नी- तुम क्यों नहीं चुप हो जाते, दोनों के बीच झगड़ा और बढ़ता गया। पत्नी: मैं अब तुम्हारे साथ रहना ही नहीं चाहती। पति: खबरदार, जो लड़ते समय खुशी वाली कोई बात कही तो....

पप्पू (गप्पू से): यार दिनदिहाड़े घर में चोरी हो जाती है। तो सब कहते हैं, मैंने नहीं देखा...मैंने नहीं देखा। गप्पू: फिर पप्पू: और जब गर्लफ्रेंड को घर लाओ तो पूरा मोहल्ला कहता है, हमने देखा...हमने देखा।

कहानी — बाल कहानियां

गाँव में एक मंदिर था। मंदिर के पास एक महात्मा जी रहते थे। वे मंदिर के देवता की पूजा और आरती करते थे। माधव एक होनहार बच्चा था। वह पढ़ाई में बहुत होशियार था। माधव कभी कभी महात्मा जी के पास चला जाता था। महात्मा जी उसे बहुत प्यार करते थे। एक दिन माधव ने महात्मा जी से पूछा- बाबा, क्या देवता सचमुच होते हैं। हाँ , बेटा महात्मा जी ने कहा। देवता क्या करते हैं? माधव ने पूछा। वह सब कुछ कर सकते हैं। सब कुछ दे सकते हैं। महात्मा जी बोले। माधव देवता के मंदिर में गया और मन ही मन देवता से कु छ माँगा। उसे लगा देवता ने उसकी बात मान ली है। धीरे धीरे माधव खेलकूद पर अधिक ध्यान देने लगा। एक दिन माधव ने सपना देखा। देवता सामने खड़े थे। उन्होंने माधव से कहा-यह सही है कि मैं सब कुछ दे सकता हूँ, किन्तु जो मेहनत करते हैं , उन्हीं को देता हूँ। जो मेहनत नहीं करते, उन्हें कुछ नहीं देता। यदि मैं बिना मेहनत करने वालों को देता रहा ,तो सब आलसी हो जायेंगे। तुम्हारा खेलने जाना तो ठीक है परन्तु पढ़ाई पर भी पूरा ध्यान दो। अगर पढ़ाई पर ध्यान नहीं दिया तो दूसरे बच्चे तुमसे आगे निकल जायेंगे। नींद से जागने पर माधव ने महात्मा जी को अपने सपने के बारे में बताया। महात्मा जी ने कहा- देवता भी मेहनत करने वाले को ही देते हैं। माधव मन लगाकर पढ़ाई करने लगा। परीक्षाफल आया तो वह अपनी कक्षा में पहले स्थान पर था।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आपकी राशि से चंद्रमा आठवें भाव में है। आज आप सांसारिक विषयों को छोड़कर आध्यात्मिकता में ज्यादा रुचि लेंगे। ध्यान और चिंतन से आपके मन को शांति मिलेगी।

तुला — आज आपका मन नकारात्मक विचारों से घिरा रहेगा। क्रोध के चलते वाणी में कठोरता रहेगी। इस कारण परिजनों के साथ मतभेद होगा। गलत खर्च हो सकता है। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृषभ — आपकी राशि से चंद्रमा सातवें भाव में है। आप अपने वैवाहिक जीवन का आनंद ले सकेंगे। परिवार के साथ कोई सामाजिक प्रसंग अथवा छोटे प्रवास पर जाने से आपको आनंद का अनुभव होगा।

वृश्चिक — आज आपको शारीरिक और मानसिक रूप से प्रसन्नता का अनुभव होगा। कार्यस्थल पर कोई आसान टारगेट मिल सकता है, जिसे लेकर आप उत्साहित रह सकते हैं।

मिथुन — अधूरे काम पूरा करने के लिए समय अच्छा है। परिवार में आनंद और उत्साह बना रहेगा। अपने काम में यश एवं प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे। लोगों के साथ बातचीत के दौरान स्वभाव को शांत रखना आवश्यक है।

धनु — आर्थिक लाभ की संभावना है। सपरिवार मांगलिक कार्यक्रम में उपस्थित होने का अवसर मिलेगा। कहीं घूमने जाने या खासकर किसी तीर्थ यात्रा पर जाने की संभावना है।

कर्क — आपकी राशि से चंद्रमा पांचवें भाव में है। आपको आज चित्त को शांत रखकर दिन व्यतीत करना चाहिए। शारीरिक और मानसिक अस्वस्थता से भय पैदा होगा। अचानक धन खर्च होने की संभावना रहेगी।

मकर — कसी वस्तु की खरीदारी के लिए आज का दिन अनुकूल है। आज शेयर बाजार में भी लाभ मिलने की संभावना है। आप मित्रों और स्नेहीजनों से मिलकर आनंद का अनुभव करेंगे।

सिंह — आज परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। हालांकि आज नकारात्मकता आपके मन को दुखी करेगी और आपको बेचैनी का अनुभव होगा।

कुम्भ — आज आपके उच्च अधिकारी और बुजुर्ग आपसे प्रसन्न होंगे। सभी कामों में सफलता मिलेगी। नौकरी और व्यवसाय में आपकी स्थिति अच्छी रहेगी। कोई अधूरा काम पूरा होने से आपकी चिंता दूर होगी।

कन्या — आपकी राशि से चंद्रमा तीसरे भाव में है। बिना विचारे किसी भी तरह के काम में रुचि ना लें। आप किसी से इमोशनल संबंध में जुड़ सकते हैं। भाई-बहनों के साथ अच्छे संबंध बने रहेंगे।

मीन — आज आपको शारीरिक और मानसिक बेचैनी महसूस होगी। संतान पक्ष की चिंता हो सकती है। उच्च पदाधिकारियों के साथ विवाद हो सकता है। आपके विरोधी आपके लिए कठिनाई पैदा कर सकते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

स्टूडेंट प्रोटेस्ट में शामिल होने के लिए एक्टर्स पैसे दिये जा रहे हैं: आकांक्षा

बिग बॉस ओटीटी फेम आकांक्षा पुरी ने चल रहे स्टूडेंट प्रोटेस्ट के बीच एक बड़ा दावा किया है। दरअसल, एक्ट्रेस ने आरोप लगाया है कि उनके दोस्तों को चल रहे प्रोटेस्ट में शामिल होने के बदले पैसे ऑफर किए गए हैं। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया कि वह चाहती हैं कि लोग सही है उसका साथ दें और मार्केटिंग से ऊपर उठें। आकांक्षा ने इंटरव्यू में कहा, मैं बस ये चाहती हूं कि लोग सही का साथ दें। इसे मार्केटिंग का जरिया न बनाएं और इससे पैसे न कमाएं। सही लोगों का साथ दें। मैं और खुलकर क्या कहूं मुझे लगता है कि जो लोग मेरे साथ हैं- एक्टर्स, कंटेंट क्रिएटर्स वे सभी जानते हैं कि बहुत से लोग और कई पार्टियां हमसे कांटेक्ट कर रही हैं ताकि इसे मार्केटिंग का हिस्सा बनाया जा सके और लोगों की नजर में आया जा सके और रैलियों में जाया जा सके। एक्ट्रेस ने कहा, मैं इस बकवास का हिस्सा नहीं बनना चाहता। मैं सही चीज का साथ देना चाहती हूं और इसके लिए मैं वहां मौजूद हूं या नहीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। जब भी किसी को जरूरत होगी, मैं उनके साथ हूं। मुझे बहुत बुरा लगा क्योंकि वे भारत का भविष्य हैं। वे छात्र हैं। और उनके साथ ऐसा होना। जब मैंने वो सारे सीन देखे तो मैं परेशान हो गई। इसलिए मेरी रिक्वेस्ट है, वे बस एक छोटी सी बात कह रहे हैं। पेपर लीक मुद्दे पर पिछले कई दिनों से चल रहे बवाल के बाद अब राहत की कई खबरें सामने आने लगी हैं। पीएम मोदी ने गुरुवार देर रात वीडियो मैसेज जारी कर पेपर लीक के गुनहगारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक के अनशन खत्म करने की खबर आई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और विज्ञान मंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह असप्ताल में जाकर सोनम वांगचुक से मिले और उनका हाल-चाल पूछा। जब सोनम वांगचुक ने अपना अनशन तोड़ा तो अस्पताल में लद्दाख ऑटोनोमस रीजन से जुड़े कई नेता भी मौजूद थे, जिन्होंने अंगवस्त्र पहनाकर सोनम का सम्मान किया।

अली अब्बास की फिल्म में एक साथ नजर आएंगे अहान पांडे-शरवरी व बॉबी देओल

अली अब्बास जफर की आने वाली रोमांटिक एक्शन ड्रामा अनटाइटेल्ड फिल्म में अहान पांडे, शरवरी, ऐश्वर्य ठाकरे और बॉबी देओल एक साथ नजर आने वाले है। यशराज बैनर के तले बनने वाली ये फिल्म 26 मार्च 2027 को रिलीज होगी। हालांकि, फिल्म का टाइटल अभी तक नहीं रीवील किया गया है। बताया जा रहा हैफिल्म की ज्यादातर शूटिंग ब्रिटेन (यूके) में की गई है।

बता दें कि इससे पहले भी आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास जफर की जोड़ी ने कई सुपरहिट फिल्में दी है। इसमें मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है शामिल है। ऐसे में अब प्रोड्यूसर-डायरेक्टर जोड़ी की इस जोड़ी की पांचवीं वाली फिल्म के लिए फैंस भी एक्साइटेड हैं। बता दें कि जफर की इस फिल्म में विलेन का रोल निभाने के लिए ऐश्वर्य ठाकरे को चुना गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के लिए अहान पांडे सबसे पहले बॉक्सिंग की ट्रेनिंग शुरू करेंगे और फिर स्क्रीन पर दमदार लुक पाने के लिए मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स और हार्डकोर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करेंगे। उनकी ट्रेनिंग रोजाना लगभग 5 घंटे चलेगी। यह ट्रेनिंग काफी मुश्किल होगी।

इस रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि कोई भी अहान के इस जबरदस्त अवतार की कल्पना भी नहीं कर सकता और YRF इस बात को पूरी तरह से छिपाकर रखेगा ताकि जब लोग उनकी नई फिल्म की झलक देखें, तो वे हैरान रह जाएं।

बता दें कि अली अब्बास जफर ने साल 2011 में रोमांटिक कॉमेडी मेरे ब्रदर की दुल्हन से डायरेक्टर और स्क्रीनराइटर के तौर पर अपना डेब्यू किया। यह फिल्म एक ऐसे व्यक्ति की कहानी थी जो अपने बड़े भाई के लिए दुल्हन ढूंढता है, लेकिन बाद में उसे पता चलता है कि उसे खुद उस लड़की से प्यार हो गया है।

इसके बाद आई उनकी एक्शन ड्रामा फिल्म गुंडे थी, जिसकी कहानी 1970 और 1980 के दशक के कलकत्ता पर आधारित थी। इसमें रणवीर सिंह और अर्जुन कपूर ने दमदार डाकुओं की भूमिका निभाई थी, जबकि प्रियंका चोपड़ा ने कैबरे डांसर का किरदार निभाया था।

बॉलीवुड के माफिया मेरे काम के मौकों को खराब कर रहे हैं : तनुश्री

तनुश्री दत्ता एक बार फिर अपने एक बयान को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। इस बार उन्होंने किसी विवाद पर बात नहीं की, बल्कि अपने करियर और काम को लेकर गंभीर चिंता जताई है। एक्ट्रेस तनुश्री ने सोशल मीडिया पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर करते हुए खुलासा किया है कि इंडस्ट्री में कुछ लोग लगातार उनके काम में रोड़ा अटका रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि जो ब्रांड और मेकर्स उनके साथ काम करना चाहते हैं, उन्हें झूठी बातें कहकर भड़काया जा रहा है, ताकि उनसे प्रोजेक्ट्स छीन लिए जाएं।

एक्ट्रेस ने अपने हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट में आरोप लगाया कि कुछ लोग उनके साथ काम करने में दिलचस्पी रखते हैं, लेकिन दुश्मन कैंप के हैंडलर्स उन्हें मौके नहीं देते। अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर किया है, जिसने हर किसी का ध्यान खींच लिया है। आइए नजर डालते हैं कि उन्होंने अपने पोस्ट में क्या लिखा है।

तनुश्री दत्ता ने अपने पोस्ट में लिखा, ऐसे लोग भी हैं जो मेरे साथ काम करना चाहते हैं, लेकिन विरोधी खेमे के लोग मुझे कोई भी काम या जानकारी मिलने नहीं देते। वे झूठ बोलते हैं, बातों को घुमाते-फिराते हैं और शुरुआती पूछताछ के स्तर पर ही चीजों को गलत दिशा में ले जाते हैं, या फिर वे असली ब्रांड, इवेंट्स और प्रोजेक्ट्स को गुमराह करते हैं, ताकि मुझे और नुकसान पहुंचाया जा सके।

उन्होंने आगे लिखा, किसी भी ब्रांड, इवेंट ऑर्गेनाइजर या फिल्म टीम के लिए एक जरूरी बात, तब तक कोई भी पेमेंट न करें, जब तक वह ICICI बैंक में मेरे एकमात्र आधिकारिक बैंक अकाउंट में न हो, जिसे बैंक मैनेजर ने वेरीफाई किया हो। मैं किसी दूसरे बैंक का इस्तेमाल नहीं करती और न ही कोई कैश ट्रांजैक्शन करती हूं। मैं दूसरे बॉलीवुड सेलेब्स की तरह छिपकर या गलत तरीके से काम नहीं करती। मेरा सारा काम 100 प्रतिशत पारदर्शी, कानूनी और भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार टैक्स-डिक्लेयर्ड होता है।

अजब-गजब | दुनिया का इकलौता ऐसा सागर, जिसके पास अपनी कोई जमीन या तटरेखा नहीं

दुनिया का इकलौता समंदर, जिसका कोई किनारा ही नहीं!

जब भी हम किसी समंदर या नदी के बारे में सोचते हैं, तो हमारे दिमाग में सबसे पहले उसका खूबसूरत किनारा या बीच आता है। लेकिन क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि इस धरती पर एक ऐसा समंदर भी है जिसका कोई किनारा ही नहीं है? जी हां, यह कोई कोरी कल्पना नहीं बल्कि एक भौगोलिक हकीकत है। अटलांटिक महासागर के ठीक बीच में एक ऐसा रहस्यमयी सागर मौजूद है, जिसकी कोई जमीनी सीमा नहीं है। सदियों से यह समंदर वैज्ञानिकों और खोजकर्ताओं के लिए एक पहेली बना हुआ है, जहां नाविकों के खो जाने और जहाजों के फंसने की डरावनी कहानियां मशहूर हैं। इस अनोखे समंदर का नाम है सारगासो सागर। यह पूरी दुनिया में इकलौता ऐसा सागर है जिसके पास अपनी कोई जमीन या तटरेखा नहीं है। यह गहरे उत्तरी अटलांटिक महासागर के बीचोंबीच स्थित है। सदियों पहले जब खोजी नाविक इस रास्ते से गुजरते थे, तो वे इसे खोए हुए जहाजों की शरणस्थली कहते थे। उनका मानना था कि इस समंदर के शांत पानी और अजीबोगरीब समुद्री घास में जो भी जहाज आता है, वह हमेशा के लिए फंस जाता है।

सारगासो सागर की सबसे बड़ी खासियत इसका अविश्वसनीय रूप से साफ और गहरा नीला पानी है। इस समंदर की विजिबिलिटी यानी पानी के अंदर देखने की क्षमता इतनी

ज्यादा है कि आप 50 से 60 मीटर की गहराई तक सब कुछ साफ-साफ देख सकते हैं। इस शांत और गोल-गोल घूमते पानी के नीचे एक बहुत ही नाजुक और अनोखा इकोसिस्टम छिपा हुआ है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस समंदर के अंदर हमारी पृथ्वी के भूतकाल और आने वाले भविष्य के कई बड़े रहस्य दफन हैं।

अब आपके मन में यह सवाल जरूर उठ रहा होगा कि अगर कोई किनारा नहीं है, तो इसकी सीमाएं कैसे तय होती हैं। दरअसल, इस समंदर को जमीन की बजाय चारों तरफ से बहने वाली चार शक्तिशाली समुद्री धाराएं घेरकर रखती हैं। इसके पश्चिम में गल्फ स्ट्रीम, उत्तर में नॉर्थ अटलांटिक करंट, पूर्व में कैनरी करंट और दक्षिण में नॉर्थ अटलांटिक इक्वेटोरियल करंट बहती है। ये चारों धाराएं मिलकर पानी का एक ऐसा चक्रव्यूह बनाती हैं जिसके बीच का पानी हमेशा शांत रहता है। मौसम और हवा के हिसाब से इसकी सीमाएं थोड़ी-बहुत बदलती रहती हैं।

सारगासो से लिया गया है, जिसका मतलब एक खास तरह की समुद्री घास होता है। इस समंदर के ऊपरी हिस्से पर सारगासम नाम की भूरी समुद्री घास के बहुत बड़े-बड़े मैदान तैरते रहते हैं। इस घास की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इसे उगने के लिए किसी समुद्र तल या मिट्टी की जरूरत नहीं होती। यह पानी की सतह पर ही पैदा होती है और वहीं पर फैलती चली जाती है।

भले ही प्राचीन कहानियों में इसे जहाजों के लिए खतरनाक बताया गया हो, लेकिन असल में यह समुद्री जीवों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह तैरती हुई घास कई दुर्लभ मछलियों, केकड़ों और कछुओं के लिए एक सुरक्षित घर और भोजन का जरिया बनती है। आधुनिक विज्ञान और सैटेलाइट स्टडीज ने भी यह साबित किया है कि बिना किनारों वाला यह समंदर हमारी धरती के मरीन लाइफ साइकल का एक बेहद जरूरी हिस्सा है। इस अनोखे समंदर का नाम है सारगासो सागर । यह पूरी दुनिया में इकलौता ऐसा सागर है जिसके पास अपनी कोई जमीन या तटरेखा नहीं है। यह गहरे उत्तरी अटलांटिक महासागर के बीचोंबीच स्थित है।

धोखा देने में उस्ताद हैं ये जानवर! दुश्मनों को डराने के लिए भगवान ने दी तीसरी आंख

क्या आप जानते हैं कि प्रकृति में कुछ ऐसे भी धुरंधर जीव हैं जो दुश्मनों को मात देने के लिए नकली आंखों का इस्तेमाल करते हैं। तितलियों से लेकर मछलियों तक, कई जानवरों के शरीर पर आंख जैसी आकृतियां बनी होती हैं जिन्हें आईस्पॉट्स कहा जाता है। यह कुदरत की एक ऐसी जादुई और चालाक डिफेंस मैकेनिज्म है, जिसे देखकर बड़े से बड़ा शिकारी भी धोखा खा जाता है। आइए जानते हैं ऐसे ही अनोखे जीवों के बारे में।

आउल बटरफ्लाई-आउल बटरफ्लाई अपने पंखों पर बने विशाल आंख जैसे पैटर्न के लिए दुनिया भर में मशहूर है। इसके पंखों को देखने पर ऐसा लगता है जैसे कोई उल्लू घूर रहा हो। जब भी कोई पक्षी या छिपकली इस पर हमला करने की कोशिश करता है, तो यह तुरंत अपने पंख फैला देती है। शिकारी को लगता है कि सामने कोई बड़ा जानवर खड़ा है और वह डरकर भाग जाता है। **मोर के पंखों का रहस्य**-हम सब मोर के खूबसूरत और रंग-बिरंगे पंखों के दीवाने हैं। इन पंखों पर चमकीली आंख जैसी आकृतियां बनी होती हैं जिन्हें ओसेली कहा जाता है। वैसे तो मोर इन पंखों का इस्तेमाल मादा मोर को रिझाने के लिए करते हैं, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि जब मोर अपने पंख फैलाता है, तो शिकारी को ऐसा लगता है कि कई सारी आंखें उसे एक साथ देख रही हैं, जिससे वे डर जाते हैं। **फोर-आईड बटरफ्लाईफिश**-यह एक बेहद खूबसूरत समुद्री मछली है, जिसके पास दुश्मनों को बेवकूफ बनाने की कमाल की ट्रिक है। फोर-आईड बटरफ्लाईफिश की असली आंख तो एक काली पट्टी के पीछे छिपी होती है, लेकिन इसकी पूंछ के पास एक बड़ी सी नकली आंख बनी होती है। शिकारी हमेशा इसकी पूंछ को उसका सिर समझकर गलत दिशा में हमला करते हैं और मछली को भागने का मौका मिल जाता है। **एटलस मॉथ**-दुनिया के सबसे बड़े मॉथ (पतंगों) में शुमार एटलस मॉथ का डिफेंस सिस्टम सबसे खतरनाक है। इसके पंखों के किनारे हूबहू किसी जहरीले सांप के सिर जैसे दिखाई देते हैं, जिसमें आंखें भी बनी होती हैं। इस डरावने लुक को देखकर कोई भी शिकारी इसके पास आने की हिम्मत नहीं करता है। **कैटरपिलर**-कई प्रजातियों के कैटरपिलर के शरीर पर नकली आंखों के निशान होते हैं। जब भी इन्हें किसी खतरे का अहसास होता है, तो ये अपने शरीर के अगले हिस्से को फुला लेते हैं। ऐसा करने से ये हूबहू किसी छोटे सांप की तरह दिखने लगते हैं, जिससे इन्हें खाने आने वाले पक्षी उल्टे पैर भाग खड़े होते हैं।

अब शिक्षा सचिव की नियुक्ति पर उठे सवाल

सब्सिडी से जुड़ी कथित अनियमितताओं में फंसे हैं सचिव : जयराम रमेश

» विपक्ष समेत कांग्रेस का केंद्र पर वार

» कांग्रेस बोली- घोटाले के दोषी को दी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अभी सीजेपी को आंदोलन पर सरकार व विपक्ष में टकरार थमी भी नही थी क्रेंद्र के एक और फसले से विपक्ष को भाजपा को घेरने को मौका मिल गया है। अब नए शिक्षा सचिव की नियुक्ति पर सवाल उठने लगे हैं। विपक्ष समेत कांग्रेस ने भाजपा पर करारा वार किया। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने नरेश पाल गंगवार को शिक्षा सचिव नियुक्त करने पर केंद्र सरकार की पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने गंगवार के पशुपालन सचिव कार्यकाल के दौरान परिवार द्वारा कथित सब्सिडी अनियमितताओं का हवाला दिया है, जिससे मोदी सरकार की शिक्षा प्रणाली के प्रति प्रतिबद्धता पर गंभीर संदेह पैदा होता है।

सीनियर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार से नरेश पाल गंगवार को शिक्षा सचिव नियुक्त करने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पशुपालन और डेयरी विभाग के सचिव के तौर पर गंगवार के कार्यकाल के दौरान सब्सिडी से जुड़ी कथित अनियमितताओं का हवाला दिया है। एक्स पर एक पोस्ट में, रमेश ने सरकार की आलोचना की। यह आलोचना तब की गई जब सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन ने कहा कि उसे नीट 2024 पेपर लीक मामले में संजीव कुमार (जिन्हें संजीव मुखिया के नाम से भी जाना जाता है) के शामिल होने का कोई सबूत नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि इन दोनों घटनाओं से एनडीए सरकार की ईमानदारी पर सवाल उठते हैं। रमेश ने लिखा कि पिछले 24 घंटों में हुई दो घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक के मामलों में कार्रवाई को लेकर मोदी सरकार की ईमानदारी पर और सवाल खड़े कर दिए हैं – हायर एजुकेशन सेक्रेटरी का तबादला कर दिया गया और उनकी जगह एक ऐसे अधिकारी को लाया गया, जिनके परिवार के सदस्यों ने कथित तौर पर कृषि मंत्रालय से भारी 'सब्सिडी' ली थी, जबकि वे खुद पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी मंत्रालय में शीर्ष अधिकारी के तौर पर काम कर रहे थे।

मोदी सरकार असंवेदनशील और उदासीन है

पेपर लीक के 'मास्टरमाइंड' की पत्नी को एनडीए ने बिहार में लड़ाया चुनाव

जयराम आगे कहा कि सीबीआई ने 'संजीव मुखिया' को क्लीन चिट दे दी, जिसे पहले नीटयूजी-24 पेपर लीक का 'मास्टरमाइंड' बताया गया था। दिलचस्प बात यह है कि उनकी पत्नी ने पहले बिहार में विधानसभा चुनाव एलजेपी के टिकट पर लड़ा था - जो एनडीए का एक अहम सहयोगी दल है। नीट-यूजी पेपर लीक विवाद और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग के बीच, गुरुवार देर रात नरेश पाल गंगवार को उच्च शिक्षा विभाग का सचिव नियुक्त किया गया। विनीत जोशी का तबादला पंचायती राज विभाग के सचिव पद पर कर दिया गया।

फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का फैसला खोखला

एक अन्य पोस्ट में, रमेश ने पेपर लीक मामलों के लिए फ़ास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा को खोखला और आधी रात की घबराहट में लिया गया फ़ैसला बताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा कानूनों के तहत बिना किसी संशोधन के भी फ़ास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाए जा सकते हैं। उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए और कहा कि फ़ास्ट-ट्रैक कोर्ट तभी असरदार ढंग से काम करते हैं जब जांच एक तय समय-सीमा के भीतर और राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ की जाए।

युवाओं की एकजुटता व आंदोलन के कारण टूटी पीएम की चुप्पी : जूली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों एवं युवाओं की एकजुट ताकत के चलते प्रधानमंत्री को अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी है। उन्होंने कहा कि केंद्र के कमजोर कानूनों के कारण ही राष्ट्रीय परीक्षाओं में धांधली करने वाले माफिया बेखौफ घूम रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश का युवा पिछले एक महीने से सड़कों पर आंदोलनरत है।

प्रश्न पत्र लीक की घटनाओं को हुए महीनों बीत चुके हैं लेकिन केंद्र सरकार पूरी तरह संवेदनहीन बनी हुई है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी को इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी है, लेकिन यह भाजपा सरकार की कोई मेहरबानी नहीं, बल्कि पीड़ित छात्रों और युवाओं की एकजुट ताकत तथा उनके ऐतिहासिक आंदोलन का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया, केंद्र द्वारा बनाए गए कमजोर और लचर कानूनों के कारण ही आज नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं में धांधली करने वाले माफिया बेखौफ घूम रहे हैं। वहीं आंदोलन के समर्थन में सवाई माधोपुर जिले के बौंली कस्बे में सोमवार देर शाम छात्र न्याय कैंडल मार्च निकाला गया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं बामनवास विधायक इंदिरा मीणा तथा जिला सचिव सिराज खान के नेतृत्व में आयोजित इस कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, युवाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।कैंडल मार्च पुलिस थाना बौंली से शुरू होकर कस्बे के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए नगर पालिका स्थित अंबेडकर सर्किल पहुंचा। मार्च में शामिल लोग हाथों में तिरंगा और जलती हुई मोमबत्तियां लेकर नीट पेपर लीक के दोषियों को सजा दो, छात्रों पर अत्याचार बंद करो और मासूमों की मौतों का हिसाब दो जैसे नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान नीट पेपर लीक प्रकरण से जुड़े आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले विद्यार्थियों के चित्रों पर पुष्प अर्पित किए गए तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

पंजाब में आप और कांग्रेस का प्रदर्शन

» केंद्र सरकार के खिलाफ हल्ला बोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ । पंजाब कांग्रेस ने आज केंद्र सरकार के खिलाफ राज्यव्यापी सत्याग्रह का आह्वान किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन होगा। कांग्रेस कार्यकर्ता सभी जिला मुख्यालयों पर शांतिपूर्ण सत्याग्रह करेंगे और कैंडल मार्च निकालेंगे। कांग्रेस नीट और सीबीएसई परीक्षा घोटालों, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ तथा छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराएगी। कांग्रेस केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी जोरदार तरीके से उठाएगी।

पार्टी का कहना है कि परीक्षा प्रणाली पूरी तरह विफल हो चुकी है और छात्रों पर दमन किया जा रहा है। वहीं आप सरकार भी आज पंजाब में केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। आम आदमी पार्टी आज पंजाब के सभी जिलों में केंद्र सरकार के खिलाफ 'थाली बजाओ, तानाशाह भगाओ' अभियान चलाएगी। पार्टी कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर थाली बजाते हुए विरोध प्रदर्शन करेंगे। यह प्रदर्शन केंद्र सरकार की छात्र विरोधी नीतियों और परीक्षा घोटालों के खिलाफ किया जा रहा है। आप ने छात्रों के समर्थन में यह आंदोलन शुरू किया है और आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि थाली बजाकर वे तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाएंगे। उधर हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू शाम कैंडल मार्च में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और आम जनता से इस मार्च में शामिल होकर विद्यार्थियों के प्रति एकजुटता प्रकट करने की अपील की है।

आदेश नहीं, आपसी सहमति से बनेगी बात

» छात्रों के भारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत का संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने इस बात पर ज़ोर दिया कि आज की युवा पीढ़ी न तो गुमराह है और न ही दिशाहीन, उन्होंने युवाओं को समझने के लिए आदेश देने के बजाय सार्थक चर्चा करने की बात कही। संघ प्रमुख की ये बातें ऐसे समय में आई हैं जब दिल्ली की सड़कों पर परीक्षा के पेपर लीक होने को लेकर छात्रों का बड़ा विरोध-प्रदर्शन हो रहा है, जो राजधानी में पिछले कुछ सालों में हुए सबसे बड़े प्रदर्शनों में से एक है। विश्व मांगल्य सभा कार्यक्रम में बोलते हुए, भागवत ने पीढ़ियों के बीच बढ़ती खाई पर बात की और कहा कि आज के युवाओं को सही मार्गदर्शन की ज़रूरत है।

जब हम युवा थे, तो वह आज्ञा मानने का दौर था। अब ऐसा नहीं है। वरिष्ठ वकील कपिल सिबल ने संघ प्रमुख की चुप्पी पर सवाल उठाए। सिबल ने ट्वीट किया, मोहन भागवत जी... जंतर-मंतर पर हुई घटनाएं... पिछले एक महीने में आपकी चुप्पी आपके उपदेशों से कहीं ज़्यादा कुछ कह रही है। विरोध-प्रदर्शन पर ताज़ा जानकारी क्या है? प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग पेपर लीक मामले को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा है। संघ प्रमुख ने अब तक विरोध-प्रदर्शनों पर कोई टिप्पणी नहीं की है, जो दूसरे राज्यों में भी फैल गए हैं। 20 को हुई हिंसा, जिसमें संसद से कुछ ही मीटर की दूरी पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच ज़बरदस्त झड़प हुई थी।

सिबल ने संघ प्रमुख की चुप्पी पर उठाए थे सवाल

आज की युवा पीढ़ी में सवाल पूछने की ज्यादा दिलचस्पी

संघ प्रमुख ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी सवाल पूछने में ज्यादा दिलचस्पी रखती है, इसलिए माता-पिता और बड़ों के लिए उनसे जुड़ना ज़रूरी है। साथ ही, उन्होंने परिवारों के भीतर बातचीत के लिए कम होती जगह पर चिंता भी जताई। भागवत ने कहा, नई पीढ़ी सवाल पूछती है। हमें उन्हें तर्क समझाना होगा। हमें उन्हें बहुत प्यार देना होगा। हमें उनके साथ समय बिताना होगा। हमें उनसे बातचीत करनी होगी।

एशियाई खेल 2026 का क्रिकेट का कार्यक्रम जारी

» 17 सितंबर से 1 अक्टूबर तक होंगे मैच, पाक से क्वार्टर फाइनल में भिड़ सकता है भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एशियाई खेल 2026 का क्रिकेट कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। मौजूदा चैंपियन भारत और पाकिस्तान की पुरुष तथा महिला क्रिकेट टीम को जापान में होने वाले एशियाई खेलों में सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गई है। भारतीय महिला टीम जापान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जबकि पुरुष टीम का मुकाबला प्रारंभिक चरण के मैच के बाद तय होगा। सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम का सामना बांग्लादेश या चीन में से किसी एक टीम से होगा।

भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पाकिस्तान का सामना कर सकती है। एशियाई खेलों में पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर को शुरू होगी और उसका फाइनल मैच एक अक्तूबर को खेला जाएगा। महिलाओं की प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर तक होगी। भारतीय महिला टीम फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ सकती है। पुरुषों की प्रतियोगिता में 10 टीमें भाग ले रही हैं। प्रारंभिक चरण म ग्रूप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल तथा ग्रूप बी में हांगकांग, चीन, मलयेशिया और ओमान शामिल होंगे। दोनों प्रतियोगिताएं आइची प्रांत के कोरोजी एथलेटिक पार्क में टी20 प्रारूप में खेली जाएंगी। श्रेयस अय्यर भारतीय पुरुष टीम की, जबकि हरमनप्रीत कौर भारतीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। क्रिकेट चौथी बार एशियाई खेलों के कार्यक्रम का हिस्सा है। इससे पहले यह 2010 में ग्वांगझू, 2014 में इंचियोन और 2023 में हांगझोऊ खेलों का हिस्सा था।

जो रूट फिर बन सकते हैं इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान

लंदन। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। स्टोक्स के संन्यास के बाद ईसीबी को टेस्ट टीम के लिए नए कप्तान की तलाश थी। ईसीबी की ये तलाश जो रूट खत्म करने वाले हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज जो रूट इंग्लैंड टेस्ट टीम का कप्तान बन सकते है। मालूम हो कि रूट के 2022 में टेस्ट टीम की कमान छोड़ने के बाद ही स्टोक्स को कप्तान बनाया गया था। वक्त का पहिया एक बार फिर से घूमता हुआ दिख रहा है और इस बार स्टोक्स के संन्यास की वजह से रूट दोबारा कप्तान बनने को तैयार दिख रहे हैं। रूट को अगले पाकिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। रूट के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज 2027 तक कप्तान बने रहने की संभावना है।

सरकार और पीएम पर नेता प्रतिपक्ष और हुए सख्त

बोले राहुल गांधी- पेपर लीक मामले में छात्रों को कांग्रेस का समर्थन रहेगा, कांग्रेस नेता ने रखी तीन शर्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता एनडीए सरकार पर रहम करने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने एक बार फिर पेपर लीक मामले में छात्रों का समर्थन किया है। उन्होंने सरकार से छात्रों की तीन प्रमुख मांगों पर कोई समझौता न करने की बात कही, जिसमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करना, छात्रों पर हिंसा के दोषियों को दंडित करना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेपर लीक के लिए माफी मांगना शामिल।

उन्होंने प्रधान को भ्रष्टाचार और छात्र भविष्य की बर्बादी का प्रतीक बताया, उनके स्थानांतरण की बजाय सीधी बर्खास्तगी पर जोर देते हुए सरकार पर क्रूर कदम उठाने का आरोप लगाया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों से मिलने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और कहा कि छात्रों ने तीन ऐसी मांगें रखी हैं जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों की तीन मांगें हैं, और इन मांगों पर कोई समझौता नहीं हो सकता। पहली मांग यह है कि शिक्षा मंत्री को हटाया जाए, क्योंकि वे भ्रष्ट और अयोग्य हैं और अपने काम के लिए सही नहीं हैं। मिस्टर मोदी की कैबिनेट में इस बात पर चर्चा हो रही है कि धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्रालय से हटाकर किसी दूसरे मंत्रालय में भेज दिया जाए। भारत के छात्रों को यह मंजूर नहीं। राहुल ने दावा किया कि यह किसी को भी मंजूर नहीं है। इसकी वजह यह है कि प्रधान भ्रष्टाचार और भारत के बच्चों के भविष्य के साथ जो हुआ है, उसकी निशानी हैं। वे इस देश की सबसे कीमती चीज-यानी हमारे छात्रों और उनके भविष्य-की बर्बादी की निशानी हैं। इसलिए, धर्मेंद्र प्रधान को इधर-उधर करने, पीछे या आगे करने जैसी कोई बात नहीं होगी। धर्मेंद्र प्रधान को हटाना ही होगा।

मोदी सरकार ने सब बंद किया लेकिन पेपर लीक नहीं रोक पाई

सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए राहुल गांधी ने सरकार की कार्रवाई पर कड़ा रोष व्यक्त किया। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि सरकार ने छात्रों का रास्ता रोकने के लिए मेट्रो बंद करो, रास्ते बंद करो, दुकानें बंद करो, इंटरनेट बंद करो और खाना बंद करो जैसी नीतियां अपनाई हैं। कांग्रेस नेता का यह बयान उन छात्रों के समर्थन में आया है जो प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रही अनियमितताओं को लेकर अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। सरकार के रवैये को दमनात्मक करार देते हुए राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण तरीके से अपना हक मांग रहे युवाओं के साथ ऐसा व्यवहार उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि अपना हक मांग रहे छात्रों के खिलाफ सरकार ने ये क्रूर कदम उठाए हैं। उनके अनुसार, प्रशासन ने छात्रों की आवाज को दबाने के लिए सारी ताकत झोंक दी और बुनियादी सुविधाओं तक पर रोक लगा दी।

लाठीचार्ज करने वालों को सजा मिले

लाठीचार्ज में कई राहुल गांधी ने कहा कि दूसरी बात... यह युवती घायल है। कल मैंने आपको एक युवक दिखाया था जिसकी आँख में गोली लगी थी, और ऐसे हज़ारों युवा हैं जिनके पैर और सिर लाठीचार्ज में टूट गए हैं और जिनके शरीर में छर्रे लगे हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने ऐसा किया है - चाहे वे इसे आयोजित करने वाले हों या इसे अंजाम देने वाले - उन्हें सज़ा मिलनी चाहिए और उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

पीएम को छात्रों से माफी मांगनी चाहिए

तीसरी बात यह है कि इस पूरे सिस्टम के मुखिया, यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छात्रों और देश के भविष्य के साथ जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए माफ़ी माँगनी चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को सरकार पर छात्रों के खिलाफ 'क्रूर कदम' उठाने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेट्रो, रास्ते, दुकानें और इंटरनेट बंद कर दिए, लेकिन वह प्रश्नपत्र लीक नहीं रोक पाए।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर तीखा पलटवार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधे तंज कसते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पेपर लीक की घटनाओं को सरकार की सबसे बड़ी नाकामी बताया। उन्होंने अपने पोस्ट के जरिए तंज कसते हुए लिखा कि बस एक चीज बंद नहीं कर पाए, मोदी जी, प्रश्नपत्र लीक। इस टिप्पणी के जरिए उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की कि सरकार का पूरा ध्यान विरोध प्रदर्शनों को कुचलने पर है, जबकि परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित बनाने में वह पूरी तरह से असहाय साबित हुई है।

हाईकोर्ट आदेश के बावजूद वांगचुक पर पहरा क्यों : गीतांजलि आंग्मो

» पत्नी पुलिस पर के रवैये पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो ने मेदांता अस्पताल में पुलिस की भारी मौजूदगी और मुलाकात पर प्रतिबंधों पर सवाल उठाए हैं, खासकर तब जब अदालत ने उन्हें हिरासत में नहीं माना। उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था में पुलिस की भूमिका पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाते हुए पूछा है कि किस अधिकार के तहत पुलिस नागरिकों को नियंत्रित कर रही है, जबकि उनका कार्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह घटना नागरिक अधिकारों और सत्ता के दुरुपयोग के बीच बढ़ते तनाव को उजागर करती है।

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंग्मो ने मेदांता अस्पताल में और उनके दृष्ट के बाहर पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा है कि किस अधिकार के तहत वे उनसे मिलने पर रोक लगा रहे थे, जबकि कोर्ट ने साफ़ कर दिया था कि उन्हें हिरासत में नहीं रखा गया है। शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में आंग्मो ने कहा कि सफदरजंग और अब मेदांता, दोनों ही जगहों पर पुलिस हर तरफ मौजूद है। मुख्य गेट पर, रिसेप्शन पर, लिफ्ट के पास और सोनम वांगचुक के ICU के बाहर भी। वे ही तय करते हैं कि कौन उनसे मिल सकता है और कौन नहीं।

राजनीतिक हिसाब-किताब छोड़ सहानुभूति दिखाएं

वांगचुक ने पेपर लीक मामले को लेकर 26 दिन की भूख हड़ताल के बाद अपना उपवास तोड़ा था। उन्होंने उनके आलोचकों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपनी राजनीतिक राय बनाने से पहले रुकना चाहिए। आलोचकों को जवाब देते हुए वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंग्मो ने सोशल मीडिया के ज़रिए लोगों से सहानुभूति दिखाने की अपील की है।

नीट विवाद पर एक तिरंगा मार्च करेगी मनसे

» 26 जुलाई को मुंबई में गैर-राजनीतिक विरोध प्रदर्शन करेंगे : राज ठाकरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राज ठाकरे ने 26 जुलाई को मुंबई में नीट विवाद पर एक तिरंगा मार्च की घोषणा की है, जिसे उन्होंने पूरी तरह से गैर-राजनीतिक विरोध प्रदर्शन बताया है। इस मार्च का उद्देश्य NEET परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ छात्रों का समर्थन करना और सरकार के रवैये की आलोचना करना है, जिसमें पार्टी के झंडे या किसी राजनीतिक नेता के समर्थन में नारे लगाने की मनाही है। यह मार्च छात्रों को एकजुटता का संदेश देने और आंदोलन को दबाने की सरकारी कोशिशों का विरोध करने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से 26 जुलाई को मुंबई में तिरंगा मार्च में शामिल होने की अपील की है। इस मार्च का मकसद नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ़ विरोध कर रहे छात्रों का समर्थन करना और सरकार के रवैये की आलोचना करना है। ङ्क (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में, ठाकरे ने इस मार्च को छात्रों और उनके परिवारों के साथ एकजुटता दिखाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन, आंदोलन को दबाने की सरकारी कोशिशों के खिलाफ था।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह रैली पूरी तरह से गैर-राजनीतिक है और लोगों से अपील की कि वे पार्टी के झंडे न लाएं और न ही किसी राजनीतिक नेता—खुद उनके या शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के समर्थन में नारे लगाएं। उन्होंने कहा कियह एक तिरंगा मार्च है। यह पूरी तरह से गैर-राजनीतिक है। यहां न तो किसी पार्टी का झंडा होगा और न ही किसी पार्टी के नेताओं के समर्थन में कोई नारा लगाया जाएगा। इसमें सिर्फ सरकार की आलोचना होगी और देश भर के छात्रों और युवाओं के समर्थन में नारे लगाए जाएंगे।

ठाकरे ने आगे कहा कि भले ही उद्धव और मैं इस मार्च के संयोजक हैं, लेकिन हमारे नाम पर भी कोई नारा नहीं लगाया जाना चाहिए। हमें यह ध्यान रखना होगा कि यह छात्रों का मार्च है। उन्होंने कहा कि इस मार्च का मकसद देश भर के छात्रों और उनके परिवारों को यह भरोसा दिलाना था कि वे अकेले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह रैली उन छात्रों के लिए है जो सरकार के सामने झुके बिना मजबूती से डटे हुए हैं, उनके परिवारों के लिए है, और उन लोगों को यह दिखाने के लिए है जो विरोध जताने के लिए दिल्ली या मुंबई नहीं जा सकते कि पूरा महाराष्ट्र राज्य उनके साथ खड़ा है।

होर्मुज के पास मिसाइल हमला, 28 भारतीय बाल-बाल बचे

» एलपीजी टैंकर पर थे सवार भारतीय दूतावास ने ईरानी अधिकारियों से की चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तेहरान में भारतीय दूतावास ने बताया कि ईरान की समुद्री सीमा में मोजाम्बिक के झंडे वाले एक एलपीजी टैंकर पर हमला हुआ, जिसमें 28 भारतीय क मसदस्य सवार थे। दूतावास ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा कि सभी भारतीय क्रू मेंबर सुरक्षित हैं और दूतावास अधिकारियों के संपर्क में है।

भारतीय समुद्री कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाली ट्रेड यूनियन फॉरवर्ड सीमेन्स यूनियन ऑफ इंडिया ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि दिशा नाम के जहाज पर फारस की खाड़ी जाते समय होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक अज्ञात मिसाइल से हमला किया गया। ईरान और ओमान के बीच मौजूद होर्मुज जलडमरूमध्य में टकराव शुरू होने से पहले दुनिया भर में होने वाली ऊर्जा सप्लाई का लगभग पांचवां हिस्सा इसी रास्ते से भेजा जाता था। जुलाई की शुरुआत में वॉशिंगटन और तेहरान के बीच हुई कमजोर युद्धविराम संधि के टूटने के बाद से तनाव बढ़ गया है, जिससे दोनों पक्षों के बीच फिर से हमले शुरू हो गए हैं और इस जलमार्ग से होने वाली शिपिंग में और रुकावट आ रही है। दूतावास ने स्पष्ट किया कि वह स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और ईरानी प्रशासन के साथ मिलकर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहा है। बयान में जहाज को हुए नुकसान या घटना के सटीक कारणों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। दरअसल कामर्शियल शिपिंग रूट पर लगातार हो रही इन घटनाओं ने भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल के महीनों में कई समुद्री क्षेत्रों में व्यापारिक पोतों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसके चलते अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में सुरक्षा तंत्र को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

सभी भारतीय क्रू मेंबर पूरी तरह सुरक्षित

तेहरान में भारतीय दूतावास के अनुसार एलपीजी टैंकर दिशा पर हुए हमले की जानकारी मिलते ही कूटनीतिक स्तर पर त्वरित कदम उठाए गए। दूतावास द्वारा जारी बयान में कहा गया, उक्त पोत पर कुल 28 भारतीय चालक दल के सदस्य मौजूद हैं. दूतावास संबंधित ईरानी अधिकारियों के साथ सीधे संपर्क में है. यह पुष्टि कि जाती है कि जहाज पर सवार सभी भारतीय क्रू मेंबर पूरी तरह सुरक्षित हैं।

टीईटी पेपर लीक केस का मुख्य आरोपी बिजेंद्र कुमार गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक केस का मुख्य आरोपी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मास्टरमाइंड बिजेंद्र कुमार गुप्ता को बिहार से दोबाचा है. विजेंद्र कुमार गुप्ता ने अपने साथी सोनू के साथ मिलकर प्रिंटिंग हाउस के कर्मचारियों को पैसे और प्रॉपर्टी दिखाकर पेपर हासिल किया था। पेपर को जूते में छिपाकर प्रिंटिंग हाउस से निकाला गया था।

खुलासा हुआ है कि यह पेपर आठ हजार रुपये में मिला था और ये पेपर भिवंडी और महाराष्ट्र के पुणे में बेचे गए थे. पेपर को करीब डेढ़ करोड़ में बेचे जाने की भी बात सामने आई है. लेकिन भिवंडी पुलिस ने ग्राहक बनकर भिवंडी में टीईटी पेपर बेचने का पर्दाफाश किया. इस केस में अब तक 13 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं. इससे पहले 12 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। भिवंडी पुलिस बिहार से बिजेन्द्र कुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर पुणे एयरपोर्ट ले आई है। आरोपी को जल्द ही पुणे एयरपोर्ट से भिवंडी लाया जाएगा। कुछ देर में पुलिस उसे भिवंडी लेकर पहुंचेगी. महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक में कपिल दहिया समेत तीन और गिरफ्तार किए गए हैं. अब कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या सात हो गई है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4** पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**